आपसी झगड़े में बीच-बचाव करने पहुंचे बुजुर्ग की कार से रौंदकर हत्या

घटना से गुस्साएं लोगों ने दादी का फाटक पर जाम लगाकर प्रदर्शन किया, पुलिस ने लाठीचार्ज कर खदेड़ा

जयपुर (कासं)। राजधानी के मुरलीपुरा इलाके में दादी का फाटक पर कुछ लोगों की लड़ाई में बीच-बचाव करना एक बुजुर्ग को भारी पड़ गया। लड़ाई कर रहे एक युवक ने बुजुर्ग व्यापारी को कार से 15 फीट तक घसीटने के बाद रौंद दिया और वहां से भाग निकला। इस घटना के बाद इलाके में गुस्साए व्यापारियों ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया, उन्हें खदेड़ने के लिए पुलिस ने हल्का बल प्रयोग भी किया।

पुलिस के अनुसार बनवारी कुमावत

- **आरोपी कार चालक बुजुर्ग को 15 फीट तक घसीट कर ले गया**
- **करीब 10 मिनट की मशक्कत के बाद ट्रैफिक जाम को खुलवाया गया**

(60) दीप नगर झोटवाड़ा का रहने वाला था। 30 साल से दादी का फाटक पर फल-सब्जी की दुकान लगाता था। शुक्रवार रात करीब साढ़े नौ बजे अपनी दुकान पर बैठा था। सामने पान की दुकान के बाहर तीन-चार युवकों का झगड़ा हो गया। झगड़ा करने वाले लड़कों ने शराब पी रखी थी। झगड़ा होते देख बनवारी कुमावत बीच-बचाव करने पहुंच गया। मारपीट कर रहे लड़कों को बनवारी कुमावत समझा रहे थे। इसी दौरान एक लड़का कार में बैठकर भागने लगा। कार सवार युवक ने गाड़ी भगाने के दौरान सामने आए बनवारी कुमावत को टक्कर मार दी। करीब 15 फीट घसीटने के बाद उन्हें रौंदता हुआ भाग निकला। स्थानीय लोगों ने गंभीर हालत में उन्हें हॉस्पिटल में भर्ती करवाया। इलाज के दौरान डॉक्टर्स ने बनवारी कुमावत को मृत घोषित कर दिया। मेडिकल सूचना पर पहुंची पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए शव को मोर्चरी में रखवाया।

घटना को लेकर आक्रोशित व्यापारियों ने शनिवार सुबह दादी का फाटक पर दुकानें बंद कर दी। व्यापारी घटना को लेकर आक्रोश जताते हुए धरने पर बैठ गए। मृतक के परिजन मुआवजे की मांग को लेकर हंगामा करने लगे। झोटवाड़ा थाना पुलिस सूचना पर मौके पर पहुंची। पुलिस आलाधिकारियों ने समझाइश कर मामले को शांत करने का प्रयास किया। एक घंटे की समझाइश के बाद भी व्यापारी व स्थानीय लोग नहीं माने और दादी का फाटक स्थित मेन रोड पर वाहन और बैरिकेड लगाकर सड़क बंद कर दी। मृतक के परिजन मुआवजे की मांग को लेकर हंगामा करने लगे।

एक घंटे की समझाइश के बाद भी व्यापारी व स्थानीय लोग नहीं माने और दादी का फाटक स्थित मेन रोड पर वाहन और बैरिकेड लगाकर सड़क बंद कर दी गई। सुबह करीब 9 बजे इस तरह के प्रदर्शन को देखकर पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर लोगों को वहां से खदेड़ा। करीब 10 मिनट की मशक्कत के बाद ट्रैफिक जाम को खुलवाया गया। वार्ड नंबर-9 पार्षद किशन लाल अजमेरा ने बताया कि इनोवा में आए लड़कों का पान की दुकान पर किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया था। झगड़ा करने वाले युवक नशे में थे।बनवारी लाल कुमावत झगड़ा होते देखकर बीच-बचाव करने गए थे। इनोवा सवार लड़के बनवारी लाल कुमावत पर गाड़ी चढ़ाकर निकल गए। प्रशासन से हमने परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग रखी। आरोपियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए।

गुलाब सैनी ने बताया कि ये जान बूझकर मर्डर किया है या एक्सीडेंट, इसकी पुलिस से जांच हो। परिवार को आर्थिक मदद के साथ न्याय मिले। सभी लोगों ने इकट्ठा होकर प्रशासन के सामने यह मांग रखी थी।

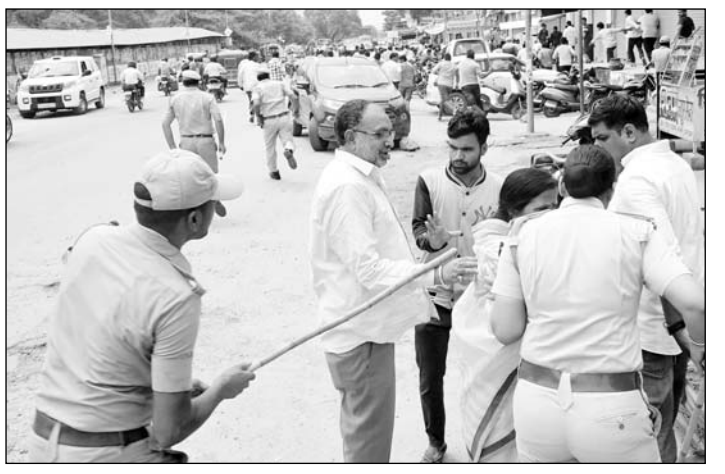

मुरलीपुरा इलाके में दादी का फाटक पर बुजुर्ग की मौत से गुस्साएं व्यापारियों और कांग्रेस नेता विक्रम सिंह ने विरोध किया तो पुलिस ने उन्हें भी आंख दिखाई। यहां तक कि पूर्व पार्षद व कांग्रेस नेत्री मंजू शर्मा पर भी लाठीचार्ज किया। फोटो-राष्ट्रदूत

वर्षाकाल में हो रहे अमृत मिशन के काम जांचने पहुंचे आयुक्त

हैरिटेज निगम आयुक्त अभिषेक सुराणा ने शनिवार को अमृत योजना 2.0 के तहत किए जा रहे कार्यों का निरीक्षण किया।

जयपुर । हैरिटेज निगम आयुक्त अभिषेक सुराणा ने शनिवार को अमृत योजना 2.0 के तहत किए जा रहे कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान आयुक्त सुराणा ने अधिकारियों को सीवर लाइन के लिए खोदी गई सड़कों को जल्द ढकने के निर्देश दिए, साथ ही बारिश में खुदाई कार्य नहीं कराने के निर्देश दिए।

आयुक्त ने बताया कि हेरिटेज निगम क्षेत्र में जयसिंह पुरा खोर, जामडोली सहित परकोटे में अमृत 2 योजना में सीवर का कार्य किया जा रहा है। बारिश में कोई हादसा नहीं हो जाएं, इसके लिए शनिवार को सभी क्षेत्र में खुदाई पर रोक लगाई गई है। इसके अलावा किन क्षेत्र में कार्य हो रहा है, वहां भी बेरीकेट लगाने और खड्डे को जल्द भरने के निर्देश दिए। इस दौरान आयुक्त ने खोर में बने एसटीपी प्लांट का भी निरीक्षण किया। इनके अलावा वर्षा में धंसी हुई सड़कों को जल्द मरम्मत करने के निर्देश दिए।

वहीं, अतिरिक्त आयुक्त डॉ. रौनक बैरागी ने शहर के प्रमुख पार्क का निरीक्षण किया और हेरिटेज निगम की ओर से

- **सीवर लाइन के लिए खोदी गई सड़कों को जल्द ढकने और बारिश के दौरान खुदाई कार्य नहीं कराने के निर्देश दिए**

किए जा रहे पौधा वितरण की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने पार्क की सफाई, रखरखाव और हरित क्षेत्र को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। अतिरिक्त आयुक्त ने पार्क की स्वच्छता व्यवस्था का जायजा लिया और अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे नियमित रूप से सफाई अभियान चलाएं और पार्क की हरियाली को बनाए रखें। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलता है बल्कि समाज में जागरूकता भी बढ़ती है। इस दौरान जिन लोगों को पौधों का वितरण किया गया और सभी उपस्थित लोगों से अपील की गई कि वे इन पौधों की अच्छी देखभाल करें और अपने आसपास के क्षेत्रों को हरा-भरा बनाएं।

एल.आई.सी. का मिशन 'जीवन समर्थ' शुरू

भारतीय जीवन बीमा निगम ने विश्व स्तर पर प्रसिद्ध रणनीति परामर्श फर्म मैसर्स ए.टी.कियर्नी के साथ साझेदारी की है, जो कि एल.आई.सी. के मौजूदा एजेंसी ढांचे को की एंड-टू-एंड आधार पर समीक्षा करके इस एजेंसी परिवर्तन योजना को शुरू करेगी।

जयपुर (कासं)। भारतीय जीवन बीमा निगम (एल.आई.सी.) ने महात्वाकांक्षी मिशन 'जीवन समर्थ' शुरू किया है, जिसका उद्देश्य ग्राहकों की तेजी से विकसित हो रही जरूरतों को पूरा करने के लिए अपने पूरो 14 लाख एजेंट कार्यबल को भविष्य के लिए तैयार करना है।

इसे हासिल करने के लिए विश्व स्तर पर प्रसिद्ध रणनीति परामर्श फर्म मैसर्स ए.टी.कियर्नी के साथ एल.आई.सी. ने साझेदारी की है, जो कि एल.आई.सी. के मौजूदा एजेंसी ढांचे को की एंड-टू-एंड आधार पर समीक्षा करके इस एजेंसी परिवर्तन योजना को शुरू करेगी। इसके शाखाएं डिविजन और जोनल स्तर पर एजेंसी संचालन को नया रूप देना भी शामिल होगा, जिसका उद्देश्य भारत में बीमा क्षेत्र के तेजी से बदलते उद्योग और नियामक परिदृश्य के मद्देनजर वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं को स्थापित करना है।

एल.आई.सी. के सीईओ और एम.डी. एस. मोहंति ने कहा कि, जीवन समर्थ परियोजना के माध्यम से हमारा लक्ष्य लाखों भारतीय परिवारों की तेजी से विकसित हो रही जरूरतों के साथ तालमेल बैठाने के लिए अपनी एजेंसी पारिस्थितिकी तंत्र को बदलना और उन्हें उपयुक्त दीर्घकालीक बचत, सुरक्षा, स्वास्थ्य बीमा, यूएलआईपी और पेंशन समाधान प्रदान करना है। एल.आई.सी. एजेंट्स को सक्षम और सशक्त बनाने के महत्व पर प्रकाश डालते हुए एल.आई.सी. सीईओ ने कहा कि, इस परिवर्तन अभ्यास का परिणाम हमारे पहले से बहुत प्रतिबद्ध एजेंट्स को और अधिक उपकरण व अतिरिक्त कौशल प्रदान करना होगा, जिससे एजेंट्स व एल.आई.सी के बीच बंधन और अधिक मजबूत बन सके। भारत के युवा पुरूषों व महिलाओं से जीवन बीमा मार्केटिंग को एक पुरस्कृत करियर के रूप में चुनकर एल.आई.सी. के साथ हाथ मिलाने और भारत में बीमा उद्योग के भविष्य को आकार देने में भाग लेने का आव्हान किया।

पेपर लीक मामले में एस.ओ.जी. को तीन माह में मिली 2670 शिकायतें

इनमें से 900 शिकायतों का सत्यापन किया जा चुका है

जयपुर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) पेपर लीक मामले में लगातार नए खुलासे कर रही है। पिछले तीन माह में एसओजी द्वारा जारी हेल्पलाइन नम्बर पर 2970 शिकायतें मिल चुकी है। इनमें से 900 शिकायतों को वेरीफाई किया जा चुका है। वेरिफाई लोगों की सूची बनाकर सरकार और सम्बंधित विभागों को भेजा जा चुका है। अब इनके खिलाफ विभाग कार्यवाही करेंगे। सबसे ज्यादा शिकायतें पश्चिमी राजस्थान से मिलीं है।

एडीजी एसओजी वीके सिंह ने बताया कि लोग एसओजी को फोन कर शिकायत बता रहे कि पड़ोस में युवक गलत तरीके से पेपरलीक करके नौकरी पर लग गया है। लोगों ने शिकायत में पूरी डिटेल के साथ ऐसे लोगों का रिकॉर्ड भेजा है। उनकी डिटेल भी शेयर की जा रही है। पश्चिमी राजस्थान से उनके पास बड़ी संख्या में शिकायतें मिल रही हैं। ऐसी शिकायतों को वेरिफाई करके रिकॉर्ड में जांच पर लिया जा रहा है। ऐसे लोगों का भी विभागों से रिकॉर्ड शेयर कर चेक कराया जा रहा है।

एडीजी ने बताया कि हाल ही में पकड़ी गई गिरोह की छम्मी बिश्नोई गार्गी पुरस्कार भी प्राप्त कर चुकी है। छम्मी पढ़ने में काफी होशियार थी। इसलिए नकल गिरोह गैंग ने उसे लालच देकर डमी कैंडिडेट बनाने के लिए गैंग में शामिल कर लिया। पहला गार्गी पुरस्कार भी उसे मिला था। शिक्षक भर्ती में वह टीचर बन गई थी। इसके बाद रुपयों के लालच में आकर वह नकल गिरोह गैंग के संपर्क में आ गई। छम्मी डमी कैंडिडेट के रूप में एग्जाम में बैठती थी। शुरुआत में छम्मी 5 लाख से लेकर 7 लाख रुपए तक लेती थी। बाद में नकल गिरोह से डिमांड बढ़ने लगी तो वह 10 लाख से भी ज्यादा लेने लग गई थी। पिछली कुछ भर्तियों में उसने 20 लाख रुपए तक लिए थे। 2022 में छम्मी बिश्नोई डमी कैंडिडेट के रूप में एग्जाम देने के लिए गई थी। उस दौरान उसके खिलाफ बालोतरा में मुकदमा दर्ज हो गया था। तब से वह फरार चल रही थी।

नकल के रुपए से डूंगरी गांव में प्लॉट लेकर चार मंजिला लग्जरी मकान भी बनाया था। छम्मी का पति गणपत स्कार्पियो चलाता है। कोई नौकरी भी नहीं करता है। चार मंजिला मकान किराए पर दे रखा है, जिसमें ज्यादातर सरकारी टीचर ही रहते हैं। इनसे किराए का पूरा लेनदेन खुद गणपत ही करता है। फरार होने के बाद छम्मी बिश्नोई वृंदावन में रहने लगी थी। 6 हजार रुपए में उसने किराए का कमरा ले रखा था। पुलिस की टीम जब वहां पर पहुंची थी तो आरती करती हुई मिली थी। वहीं से पहचान करने के बाद उसे पकड़ा गया था। छम्मी के मोबाइल की कॉल डिटेल और वॉट्सऐप चौटिंग से एसओजी को कई खुलासे होने की उम्मीद है। एडीजी एसओजी वीके सिंह ने बताया कि नकल गिरोह ने टीएसपी एरिया को भी अपना गढ़ बनाया है। बांसवाड़ा से बहुत बड़े स्तर पर पेपरलीक करवा कर लोगों को नौकरी पर लगवाया गया है। टीएसपी एरिया से नौकरी पर लगे लोगों के डॉक्युमेंट और रिकॉर्ड चेक कराए जा रहे हैं। ओमप्रकाश ढाका का जालोर, सिरोही, बांसवाड़ा, भीलवाड़ा के साथ-साथ उदयपुर में भी बड़ा नेटवर्क बना हुआ था। बांसवाड़ा में हाल ही में कार्रवाई भी की गई है।

सार-समाचार

किशनपोल सरकारी कॉलेज में वृक्षारोपण

जयपुर, (का.सं.)। राजकीय कन्या महाविद्यालय, किशनपोल ,जयपुर में आज प्राचार्य डॉ. खामोश मीणा की अध्यक्षता में अभिभावक-शिक्षक संवाद और वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन एन.एस.एस. के तत्वाधान में किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य ने छात्राओं को अनुशासित रहते हुए नियमित अध्ययन कर उज्जवल भविष्य निर्माण के लिए प्रेरित किया।प्राचार्य डॉ. खामोश मीणा ने अभिभावकों को आश्वस्वस्थ किया कि महाविद्यालय छात्राओं के लिए पूर्णतया सुरक्षित परिसर प्रदान करता है। कार्यक्रम में आये अभिभावकों ने अपने-अपने सुझाव दिए और यह बताया कि महाविद्यालय में छात्राओं को हर गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए , जिससे कि सभी छात्राओं का समग्र विकास संभव हो सके। एन.एस.एस. के स्वयंसेवक और छात्राओं सभी ने अपने-अपने विचार प्रस्तुत किये। इस अवसर पर डॉ. ममता रोकणा, डॉ.पवन असवाल , एन.एस.एस. प्रभारी डॉ. अर्चना वर्मा ने छात्राओं को महाविद्यालय गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया और आगंतुक अभिभावकों का धन्यवाद ज्ञापित किया।इस कार्यक्रम के पश्चात प्राचार्य ने वृक्षारोपण समिति, समस्त स्टाफ, छात्राओं और अभिभावकों के साथ महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया।

सी.आई.आई. सदस्यों ने देखी खदान

जयपुर। सीआईआई-इंडियन वूमन नेटवर्क (आईडब्लुएन), राजस्थान चैप्टर के 22 सदस्यीय दल ने आगूचा, भीलवाड़ा स्थित हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड-रामपुरा आगूचा माइंस (आरएएम) का दौरा किया। शिक्षण मिशन का उद्देश्य दुनिया की सबसे बड़ी जस्ता खदान में से एक रामपुरा अगुचा खदान को देखना और भूमिगत खनन उत्कृष्टता में आने वाली चुनौतियों को जानना था। शिक्षण मिशन के बाद सीआईआई-इंडियन वूमन नेटवर्क (आईडब्लुएन), राजस्थान चैप्टर की अध्यक्ष, निवेदिता आर. सारड़ा, अध्यक्ष ने बताया कि हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड-रामपुरा अगुचा माइंस भूमिगत खनन उत्कृष्टता का एक बेंचमार्क है, अगुचा खदान अपने उत्कृष्ट बुनियादी ढांचे, संचालन, कम्युनिटी एन्गेजमेन्ट, पर्यावरण प्रतिबद्धता, सुरक्षा मानकों तकनीकी कौशल और नेतृत्व के लिए जानी जाती है।

25 फीट गहरे नाले में गिरा युवक

जयपुर । मानसरोवर इलाके में 25 फीट गहरे नाले में शुक्रवार रात एक युवक गिर गया। नाले में गिरने से उसके हाथ-पैर टूटने के साथ सिर में गहरी चोट लगी है। शिप्रापथ थाना पुलिस ने शनिवार सुबह पता चलने पर रेस्क्यू कर उसे नाले से बाहर निकाला। पुलिस ने घायल युवक को जयपुरिया हॉस्पिटल में एडमिट करवाया है। पुलिस ने बताया कि सुबह करीब 9 बजे रीको एरिया में स्टोन पार्क के पास नाले में एक युवक बचाने के लिए आवाज लगा रहा था। राहगीरों के आवाज सुनकर नाले में देखने पर लहूलुहान हालत में एक युवक पड़ा दिखाई दिया। शिप्रापथ थाने में लोगों ने 25 फीट गहरे नाले में युवक के गिरने की सूचना दी। सूचना पर बन्नालाल चेतक के साथ मौके पर पहुंचे। नाले से बाहर निकालने के लिए बन्ना लाल रेस्क्यू करने के लिए पेड़ के जरिए नाले में नीचे उतरे। उनके साथ किशना नाम का लड़का भी नाले में उतरा। चेतक पर मौजूद पुलिसकर्मियों से रस्सी मंगवाकर घायल युवक को बांधकर करीब 20 मिनट की मशक्कत कर बाहर निकाला गया। बन्ना लाल ने बताया कि नाले से बाहर निकालने गए युवक ने खुद का नाम केशव (25) पुत्र महेन्द्र निवासी मानसरोवर बताया। वह शुक्रवार रात नाले के ऊपर पानी की पाइप लाइन पर चल रहा था। पैर फिसलने से वह नाले में जा गिरा। सिर में चोट लगने के कारण बेहोश होने पर रातभर नाले में पड़ा रहा। होश आने पर सुबह हाथ-पैर के काम नहीं करने पर टूटने का पता चला। पुलिस ने 108 एम्बुलेस को बुलाकर घायल केशव को जयपुरिया हॉस्पिटल में एडमिट करवाया।

मंच पर साकार हुआ भगवान कृष्ण का योगेश्वर स्वरूप

जयपुर । राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में शनिवार को पावन चिंतन धारा आश्रम के सांस्कृतिक प्रकल्प परिवर्तन की ओर से नाट्य प्रस्तुति "कृष्ण" का आयोजन किया गया। आश्रम के कलाकारों ने नाटक का मंचन किया। श्री कृष्ण जिन्हें हम भगवान मानते हैं, उन्हें दिन रात भजते भी हैं, परंतु क्या हम भगवान कृष्ण के सही स्वरूप को जानते हैं? इन सवालों से प्रेरणा लेकर कलाकारों ने डॉ. पवन सिन्हा गुरुजी के मार्गदर्शन में यह नाटक तैयार किया। दिल्ली, गाजियाबाद, मेरठ, लखनऊ और अमृतसर में सफल आयोजन के बाद राजस्थान में पहली बार इस नाटक का मंचन हुआ। दर्शकों ने न सिर्फ श्री कृष्ण के योगेश्वर स्वरूप से साक्षात्कार किया बल्कि मानव जीवन की सफलता का मंत्र भी आत्मसात किएइस दौरान दर्शकों को भारतीय ज्ञान शोध संस्थान की निदेशिका एवं आदरणीय गुरु माँ डॉ. कविता अस्थाना का भी सानिध्य प्राप्त हुआ।

नाटक अन्याय से त्रस्त, अधर्म को देख धर्म से विमुख होते और भगवान से शिकायत रखने वाले आधुनिक युवाओं की जिज्ञासाओं से शुरू होता है। ऐसे युवा 'श्री नारद मुनि जी' के मार्गदर्शन में भगवान श्री कृष्ण से संसार के कल्याण के लिए प्रश्न करते हैं। कर्म क्या है, अन्याय क्यों होता है? मनुष्य को कष्ट क्यों होता है? क्या भगवान को भी कष्ट सहना पड़ा? विद्यार्थी कैसे मन को एकाग्र करें? इन सभी सवालों का हल दर्शकों को नाटक में मिलता है। स्वयं कृष्ण भगवान की योगेश्वर छवि मंच पर साकार होती है। बताया जाता है कि कृष्ण की लीलाओं का बखान किया जाता है लेकिन स्वयं कृष्ण को कितने दुख उठाने पड़े और जो संघर्ष उन्होंने किया उसके विषय में बात नहीं की जाती है। नाटक के माध्यम से यह संदेश भी दिया गया कि आत्मा अजर अमर है जो लिबास की तरह शरीर को बदलती है। नाटक में अभिषेक शर्मा ने कृष्ण, श्रेयांश त्रिपाठी ने बलराम, देवव्रत शर्मा ने नारद, प्रेशा रावत ने वृद्ध महिला का किरदार निभाया। वहीं अन्वी राणा और सुहानी प्रताप सिंह ने जिज्ञासु युवा का किरदार निभाया। बच्चों और युवाओं के शारीरिक, मानसिक, आध्यात्मिक एवं चारित्रिक विकास के लिए समर्पित संस्थान पावन चिंतन धारा आश्रम का एक सांस्कृतिक प्रकल्प 'परिवर्तन', जिसका उद्देश्य नाटक, नृत्य, संगीत आदि के माध्यम से संस्कृति के सही स्वरूप को जनमानस तक पहुँचाना है।

जयपुर के लिए दीर्घकालीन मास्टर ड्रेनेज प्लान बनाने की तैयारी शुरू

नगरीय विकास विभाग के प्रमुख शासन सचिव टी. रविकांत ने जे.डी.ए. और रूडसिको प्रशासन को इस प्रोजेक्ट पर काम शुरू करने को कहा

जयपुर (कासं)। नगरीय विकास विभाग के प्रमुख शासन सचिव टी. रविकांत ने शनिवार को जयपुर विकास प्राधिकरण के अफसरों की बैठक ली। उन्होंने मुख्यमंत्री की बजट घोषणाओं, इन्वेस्टमेंट समिति, ड्रेनेज प्लान, वृक्षारोपण और वाटर हार्वेस्टिंग प्रोजेक्ट के साथ-साथ लंबित प्रकरणों पर चर्चा की।

टी. रविकांत ने जयपुर शहर के लिए दीर्घकालीन ड्रेनेज मास्टर प्लान बनाने के लिए जयपुर विकास

- **उन्होंने जे.डी.ए., नगर निगम व राजस्थान आवासन मण्डल के प्रत्येक वार्षिक बजट में ड्रेनेज सबंधित कार्यो का नियमित रूप समावेश करने और चरणबद्ध रूप से संपादन के निर्देश दिये गये, ताकि वर्षा के दौरान जयपुर शहर में जगह-जगह वर्षा का जल एकत्रित होने की समस्या से निजात मिल सके ।**

प्राधिकरण को निर्देश दिए हैं। मास्टर प्लान अनुसार जे.डी.ए., नगर निगम व राजस्थान आवासन मण्डल के प्रत्येक वार्षिक बजट में ड्रेनेज सबंधित कार्यो का नियमित रूप समावेश करने एवं चरण बद्ध रूप से संपादन के निर्देश दिये गये, ताकि वर्षा के दौरान शहर में जगह-जगह वर्षा का जल एकत्रित होने की समस्या से निजात मिल सके ।

नगरीय विकास विभाग के प्रमुख शासन सचिव टी. रविकांत ने शनिवार को जे.डी.ए. प्रशासन की बैठक लेकर कई मुद्दों पर चर्चा की।

जयपुर शहर में जेडीए, निगम एवं अन्य संस्थाओं द्वारा सीवरेज का कार्य संपादन किया गया है। रविकांत ने कहा कि सीवरेज लाईन का नियमित रख रखाव, भविष्य की डिमाण्ड के आंकलन आदि को सम्मिलित करते हुए एक सीवरेज मास्टर प्लान बनाया जाना आवश्यक है, इसके लिए रूडसिको को सीवरेज मास्टर प्लान बनाये जाने के लिए निर्देशित किया। टी. रविकांत ने नाराजगी जताते हुए कहा कि जयपुर शहर में कई एजेंसियों जैसे टोरेन्ट, जलदाय विभाग, विद्युत प्रसारण निगम द्वारा भूमिगत सर्विसेज के लिए सड़क खुदाई की जा रही है।

इस कारण विभिन्न इलाकों में सड़कें क्षतिग्रस्त हो रही है और पानी एकत्रित होने से दुर्घटना का अंदेशा भी रहता है। इसलिए आमजन से जुडी इस समस्या के निदान के लिए जयपुर विकास आयुक्त की अध्यक्षता में सभी विभागों के मुख्य अभियन्ता स्तर के अधिकारियों के साथ बैठक कर रूपरेखा तैयार की जाए।

वर्षा काल में "हरित जयपुर" अभियान के अन्तर्गत जेडीए द्वारा 10 फिट उंचाई के 2 लाख पेड़ और 10 लाख पौधे रियायति दरों पर उपलब्ध कराने के लिए 25 पौध वितरण केन्द्र बनाये गये है। आमजन, जेडीए द्वारा बनाये गये क्यूआर कोड के माध्यम से नजदीक के वितरण केन्द्र से पौधे प्राप्त करने की व्यवस्था भी की गई है । इसके साथ ही इनवेस्टमेंट समिट से पूर्व सितम्बर माह में प्री-इनवेस्टमेंट समिट के लिए जेडीए को आवश्यक तैयारियां किये जाने के निर्देश भी प्रदान किये गये। इस बैठक में आयुक्त एवं सचिव जयपुर विकास प्राधिकरण, नगरीय विकास विभाग के उप शासन सचिव आर जयपुर विकास प्राधिकरण के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।